

6/10/81



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्रधानमंत्री से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 182] नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 31, 1989/चैत्र 10, 1911

No. 182] NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 31, 1989/CHAITRA 10, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(शौधोगिक विभाग विभाग)

प्रादेश

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1989

का.प्रा. 248(प्र)/18फ्र/श्राई.डी.आर.ए./89—केंद्रीय मरम्मार ने भारत सरकार के भूतपूर्व शीघ्रो-  
गिक विकास मंशान्त्रम के आदेश सं. का.प्रा. 134(प्र)/19क्र/श्राई.डी.आर.ए./79, तारीख 13 मार्च, 1979  
द्वारा तथा उपलब्धित आदेश सं. का.प्रा. 529(प्र)/18फ्र/श्राई.डी.आर.ए./71 तारीख 6 सितम्बर, 1974  
द्वारा (जिसे इसके पश्चात उस आदेश करा गया है) अधिक, बंद एवं रुग्न उद्योग विभाग, पश्चिम बंगाल  
सरकार को जिसे इसके पश्चात उस प्राप्तिकृत व्यक्ति कहा गया है मैमन्त्र शंडिया बैलिंग एण्ड काटन

मिल्स सिल्पिन्ड, सीरमपुर, पश्चिम बंगाल का (जिस इलाम इन्हाँ नवाब उन्हाँ प्रायोगिक उत्कम कहा गया है) तारीख 6 मिस्राह, 1971 से पांच वर्ष की अवधि के लिए प्रबंध प्रठग करों के लिए प्राविधिक कृति था।

और केंद्रीय सरकार की यह राय यही फि नोटिस पे पद्मसभावी वा फि उक्त प्रधिसूचित प्रावेश को उपर्युक्त पांच वर्ष के समान हैं के बाद प्रभागी बना रहा विलिंग प्रोटोट उन्होंने 31 मार्च, 1989 तक की, जिसके प्रस्तुत बहु तारीख भी है, अधिकारी प्रबंधि के लिए इन तत्त्व रक्कांके लिए प्रम-तत्पर पर लिंग गारी किए थे, (देखिये भारत सरकार उपांत्ति गारी, गारी लिंग लिंग का गारें)

म. का.आ. 512(ग्र)/18कर्फ्राई.डी.पार.ए./79, नारोब्र 4 निसम्बर, 1979

म. का.आ. 749(ग्र)/18कर्फ्राई.डी.पार.ए./80, नारोब्र 5 निसम्बर, 1980

म. का.आ. 684(ग्र)/18कर्फ्राई.डी.पार.ए./81, नारोब्र 4 निसम्बर, 1981

म. का.आ. 125(ग्र)/18कर्फ्राई.डी.पार.ए./82, नारोब्र 5 मार्च, 1982

म. का.आ. 648(ग्र)/18कर्फ्राई.डी.पार.ए./82, नारोब्र 6 निसम्बर, 1982

म. का.आ. 158(ग्र)/18कर्फ्राई.डी.पार.ए./83, नारोब्र 4 मार्च, 1983

म. का.आ. 386(ग्र)/18कर्फ्राई.डी.पार.ए./83, नारोब्र 31 मार्च, 1983

म. का.आ. 937(ग्र)/18कर्फ्राई.डी.पार.ए./83, नारोब्र 29 निसम्बर, 1983

म. का.आ. 170(ग्र)/18कर्फ्राई.डी.पार.ए./84, नारोब्र 28 जून, 1984

म. का.आ. 947(ग्र)/18कर्फ्राई.डी.पार.ए./84, नारोब्र 18 निसम्बर, 1984

म. का.आ. 257(ग्र)/18कर्फ्राई.डी.पार.ए./85, नारोब्र 28 मार्च, 1985

म. का.आ. 119(ग्र)/18कर्फ्राई.डी.पार.ए./86, नारोब्र 27 मार्च, 1986

म. का.आ. 268(ग्र)/18कर्फ्राई.डी.पार.ए./87, नारोब्र 30 मार्च, 1987 तथा

म. का.आ. 325(ग्र)/18कर्फ्राई.डी.पार.ए./83, नारोब्र 30 मार्च, 1988।

और केंद्रीय सरकार को यह है फि नोटेंटों ने 15 प्रोटोटों के लिए उन्हाँ प्रायोगिक उत्कम ना लिया उक्त प्राविधिक अस्ति द्वारा 31 मार्च, 1990 तक को प्राप्त अवधि के लिए रखा जाए।

प्रतः केंद्रीय सरकार उद्धो (लिंग प्रोटोटिका) निर्मिता, 1951 (1951 से 65) की वाले 18-कर की उत्कम (2) द्वारा ग्राह नहीं हो रही है, परं यह देसे है फि उक्त अदेन 31 मार्च, 1990 तक जिसने यह नारोब्र मो अधिकारी है, को और अवधि के लिए प्रभागी बना रखेगा।

[का.म. 2(14)/80-सी.यू.एम]

प्राप्त के, सिन्हा, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

## ORDER

New Delhi, the 31st March, 1989

S.O. 248(E)/18AA/IDRA/89.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 529(E)/18AA/IDRA/74, dated the 6th September, 1974 as modified by the order No. S.O. 134(E)/18AA/IDRA/79, dated the 13th March, 1979 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government had authorised the Secretary, Closed and Sick Industries Department, Government of West Bengal, now called Secretary, Industrial Reconstruction Department, Government of West Bengal (hereinafter referred to as the said authorised person) to take over the management of Messrs India Bleaching and Cotton Mills Limited, Serampore, West Bengal (hereinafter referred to as the said industrial undertaking) for a period of five years from the 6th September, 1974;

And, whereas, the Central Government being of opinion that it is expedient in the public interest that the said Order should continue to have effect after the expiry of the period of five years aforesaid, had issued directions from time to time, for such continuance for a further period upto and inclusive of the 31st March, 1989 (vide Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development).

Nos. S.O. 512(E)/18AA/IDRA/79, dated the 4th September, 1979,

S.O. 749(E)/18AA/IDRA/80, dated the 5th September, 1980,

S.O. 684(E)/18AA/IDRA/81, dated the 4th September, 1981,

S.O. 125(E)/18AA/IDRA/82, dated the 5th March, 1982,

S.O. 648(E)/18AA/IDRA/82, dated the 4th September, 1982,

S.O. 158(E)/18AA/IDRA/83, dated the 4th March, 1983,

S.O. 336(E)/18AA/IDRA/83, dated the 31st May, 1983,

S.O. 937(E)/18AA/IDRA/83, dated the 29th December, 1983,

S.O. 47(E)/18AA/IDRA/84, dated the 28th June, 1984,

S.O. 947(E)/18AA/IDRA/84, dated the 18th December, 1984,

S.O. 257(E)/18AA/IDRA/85, dated the 28th March, 1985,

S.O. 119(E)/18AA/IDRA/86, dated the 27th March, 1986,

S.O. 268(E)/18AA/IDRA/87, dated the 30th March, 1987, and

S.O. 325(E)/18AA/IDRA/88 dated the 30th March, 1988.

AI1, whereas, the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said authorised person should continue for a further period upto 31st March, 1990.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951, (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of 31st March, 1990.

[File No. 2(14)/80-CUS]

R.K. SINHA, Jt. Secy.